पश्चिम बंगाल माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (WBBSE)

# कक्षा 9 हिंदी

अध्याय 17

# बहू की विदा

**प्रश्न बैंक**

birlaeducation.org

अध्याय-वार प्रश्न बैंक

बिरला एजुकेशन

# अध्याय 17: बहू की विदा

विनोद रस्तोगी का प्रसिद्ध एकांकी, दहेज प्रथा पर करारा प्रहार

## अध्याय का सार

जीवनलाल एक धनी व्यापारी हैं। उनके बेटे रमेश का विवाह कमला से हुआ है। विवाह के बाद पहला सावन आने पर कमला का भाई प्रमोद उसे मायके ले जाने के लिए ससुराल आता है। पर जीवनलाल कम दहेज मिलने से नाराज हैं और बहू की विदा करने से मना कर देते हैं। वे प्रमोद से पाँच हजार रुपये माँगते हैं और कहते हैं कि कम दहेज से उनके हृदय में जो घाव हुआ है, उसका मरहम ये रुपये ही हैं।

प्रमोद अपमान से दुखी होकर कहता है कि वह मकान बेचकर भी रुपये का प्रबंध करके बहन को ले जाएगा। कमला उसे अपने सुहाग की सौगंध देकर मकान बेचने से रोकती है। इसी बीच राजेश्वरी भाई बहन की बातें सुन लेती हैं और अपनी तिजोरी से पाँच हजार रुपये देने को तैयार हो जाती हैं। तभी रमेश अपनी बहन गौरी को विदा कराने उसकी ससुराल से खाली हाथ लौट आता है, क्योंकि गौरी के ससुराल वालों ने भी और दहेज माँगा है।

राजेश्वरी जीवनलाल को समझाती हैं कि जो व्यवहार तुम अपनी बेटी के लिए चाहते हो, वही व्यवहार दूसरे की बेटी के साथ भी करो। यह सुनकर जीवनलाल की आँखें खुल जाती हैं। वे कहते हैं कि मेरी चोट का इलाज बेटी के ससुराल वालों ने दूसरी चोट से कर दिया है। उनका हृदय बदल जाता है और वे खुशी से बहू कमला को उसके भाई के साथ विदा कर देते हैं।

birlaeducation.org

## बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQ) - 12 प्रश्न

सही विकल्प को गहरे (बोल्ड) अक्षरों में दिखाया गया है।

**1. विवाह के बाद पहला सावन मायके में बिताने की बात किसकी है?** अतिरिक्त

**(क) कमला की**
(ख) गौरी की
(ग) राजेश्वरी की
(घ) प्रमोद की पत्नी की

उत्तर: (क) कमला की। विवाह के बाद पहला सावन बहू अपने मायके में बिताती है, इसलिए प्रमोद कमला को लेने आया था।

---

**2. जीवनलाल के अनुसार कम दहेज से उनके हृदय में क्या हुआ था?** अतिरिक्त

(क) खुशी हुई थी
**(ख) घाव हुआ था**
(ग) शांति मिली थी
(घ) गर्व हुआ था

उत्तर: (ख) घाव हुआ था। जीवनलाल ने कहा था कि कम दहेज से उनके हृदय में जो घाव हुआ है, उसका मरहम पाँच हजार रुपये ही हैं।

---

**3. प्रमोद की उम्र कितनी है?** अतिरिक्त

(क) उन्नीस वर्ष

(ख) बाईस वर्ष

**(ग) तेईस वर्ष**

(घ) पचास वर्ष

उत्तर: (ग) तेईस वर्ष। कमला उन्नीस वर्ष की है और रमेश बाईस वर्ष का है।

---

**4. जीवनलाल की उम्र लगभग कितनी है?** अतिरिक्त

(क) तीस वर्ष

(ख) चालीस वर्ष

**(ग) पचास वर्ष**

(घ) साठ वर्ष

उत्तर: (ग) पचास वर्ष। जीवनलाल परिवार के मुखिया हैं और उनकी उम्र लगभग पचास वर्ष मानी गई है।

---

**5. विनोद रस्तोगी आकाशवाणी के किस केंद्र में नाट्य निर्देशक के पद पर काम करते थे?** अतिरिक्त

birlaeducation.org

(क) दिल्ली केंद्र

**(ख) इलाहाबाद केंद्र**

(ग) लखनऊ केंद्र

(घ) कानपुर केंद्र

उत्तर: (ख) इलाहाबाद केंद्र। उन्होंने हिंदी में एम.ए. करने के बाद आकाशवाणी के इलाहाबाद केंद्र में नाट्य निर्देशक के रूप में काम किया।

---

**6. राजेश्वरी को रुपये (नोट) कैसे लगते हैं?** अतिरिक्त

(क) जीवन की सबसे बड़ी पूँजी

**(ख) कागज के रंग बिरंगे टुकड़े**

(ग) सम्मान का प्रतीक

(घ) सुख का साधन

उत्तर: (ख) कागज के रंग बिरंगे टुकड़े। राजेश्वरी को धन से कोई मोह नहीं है, वे रिश्तों को धन से बड़ा मानती हैं।

---

**7. प्रमोद ने अपनी सास के प्यार को क्या कह दिया था?** अतिरिक्त

(क) सच्चा स्नेह

**(ख) दिखावा**

(ग) ममता

(घ) आशीर्वाद

उत्तर: (ख) दिखावा। कमला जब अपनी सास की प्रशंसा करती है, तो प्रमोद सास के प्यार को दिखावा कह देता है, जिसे राजेश्वरी सुन लेती हैं।

---

**8. एकांकी बहू की विदा में कुल कितने दृश्य हैं?** अतिरिक्त

**(क) एक**

(ख) दो

(ग) तीन

(घ) पाँच

उत्तर: (क) एक। इस एकांकी में केवल एक दृश्य है और स्थान, कार्य तथा काल की एकता का निर्वाह हुआ है।

---

**9. राजेश्वरी ने कमला को तिजोरी की चाबी सौंपी, तो कमला ने क्या किया?** अतिरिक्त

(क) रुपये निकालकर प्रमोद को दे दिए

**(ख) तिजोरी से रुपये नहीं निकाले**

(ग) चाबी अपने भाई को दे दी

(घ) चाबी वापस लौटा दी

उत्तर: (ख) तिजोरी से रुपये नहीं निकाले। राजेश्वरी द्वारा चाबी सौंप देने पर भी कमला तिजोरी से रुपये नहीं निकालती, यही उसकी विवेकशीलता है।

birlaeducation.org

---

**10. जीवनलाल ने प्रमोद के घर को क्या कहा था?** अतिरिक्त

(क) महल

(ख) हवेली

**(ग) झोंपड़ी**

(घ) कोठी

उत्तर: (ग) झोंपड़ी। जीवनलाल ने कहा था कि झोंपड़ी में रहकर महल से नाता क्यों जोड़ा, यह कहकर उन्होंने प्रमोद के पिता की सामर्थ्य का मजाक उड़ाया था।

---

**11. एकांकी में प्रयुक्त प्रसिद्ध मुहावरा कौन सा है?** अतिरिक्त

(क) आँखों का तारा

(ख) नाक में दम करना

**(ग) घाव पर मरहम लगाना**

(घ) हाथ पर हाथ धरे बैठना

उत्तर: (ग) घाव पर मरहम लगाना। जीवनलाल कहते हैं कि कम दहेज से उनके हृदय में जो घाव हुआ है, उसका मरहम पाँच हजार रुपये ही हैं।

---

**12. विनोद रस्तोगी के अन्य एकांकियों में कौन सा शामिल है?** अतिरिक्त

**(क) अँधेरा**

(ख) गोदान

(ग) मधुशाला

(घ) कामायनी

उत्तर: (क) अँधेरा। विनोद रस्तोगी के उल्लेखनीय एकांकी हैं: अँधेरा, बहू की विदा, फैसला और चट्टान की परतें।

---

## अति लघु उत्तरीय प्रश्न (VSA) - 10 प्रश्न

उत्तर एक या दो पंक्तियों में लिखिए।

**1. कमला के पिता ने दहेज किसके अनुसार दिया था?** अतिरिक्त

उत्तर: कमला के पिता ने दहेज अपनी सामर्थ्य के अनुसार दिया था, पर जीवनलाल अपनी हैसियत के अनुसार दहेज चाहते थे।

---

**2. प्रमोद ने जीवनलाल से बहन की विदा की विनती करते हुए किसकी ममता का हवाला दिया?** अतिरिक्त

उत्तर: प्रमोद ने अपनी माँ की ममता का हवाला देकर जीवनलाल से बहन की विदा की विनती की थी।

---

**3. एकांकी के आरंभ में क्या दिए गए हैं?** अतिरिक्त

उत्तर: एकांकी के आरंभ में रंग संकेत दिए गए हैं, जिनसे मंच की सजावट और पात्रों की स्थिति का पता चलता है।

birlaeducation.org

---

**4. कमला ने अपने ससुर को कैसा बताया था?** अतिरिक्त

उत्तर: कमला ने अपने ससुर जीवनलाल को जिद्दी बताया था।

---

**5. सावन किस ऋतु का महीना है?** अतिरिक्त

उत्तर: सावन वर्षा ऋतु का एक महीना है, जिसे श्रावण भी कहते हैं।

---

**6. विनोद रस्तोगी का जन्म किस जिले में हुआ था?** अतिरिक्त

उत्तर: विनोद रस्तोगी का जन्म उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद जिले के शमसाबाद गाँव में हुआ था।

---

**7. दहेज के कारण विदा से वंचित दो लड़कियाँ कौन सी हैं?** अतिरिक्त

उत्तर: दहेज के कारण विदा से वंचित दो लड़कियाँ कमला और गौरी हैं। कमला को उसके ससुर ने और गौरी को उसके ससुराल वालों ने विदा नहीं किया।

---

**8. कमला अपनी सास राजेश्वरी की प्रशंसा क्यों करती है?** अतिरिक्त

उत्तर: कमला अपनी सास की प्रशंसा इसलिए करती है, क्योंकि राजेश्वरी ममतामयी हैं और कमला को बेटी जैसा स्नेह देती हैं।

---

**9. जीवनलाल की माँग सुनकर प्रमोद पर क्या बीती?** अतिरिक्त

उत्तर: जीवनलाल की पाँच हजार रुपये की माँग सुनकर प्रमोद अपमान से दुखी हो गया और तिलमिला उठा।

---

**10. "विदा" शब्द का क्या अर्थ है?** अतिरिक्त

उत्तर: विदा का अर्थ है मायके या ससुराल जाने के लिए विदाई देना, अर्थात किसी को भेजना।

---

## लघु उत्तरीय प्रश्न (SA) - 10 प्रश्न

उत्तर 3 से 5 पंक्तियों में लिखिए।

**1. "घाव पर मरहम" से जीवनलाल का क्या आशय था? समझाइए।** अतिरिक्त

उत्तर: जीवनलाल का कहना था कि कम दहेज मिलने से उनके हृदय में घाव हो गया है। उस घाव पर मरहम का काम पाँच हजार रुपये ही कर सकते हैं। अर्थात रुपये मिलने पर ही उनका मन शांत होगा और तभी वे बहू की विदा करेंगे। यह मुहावरा उनके दहेज के लोभ और धन को ही हर दुख की दवा मानने की सोच को दिखाता है।

---

**2. राजेश्वरी ने तिजोरी की चाबी कमला को क्यों सौंपी और कमला ने रुपये क्यों नहीं निकाले?** अतिरिक्त

उत्तर: राजेश्वरी ने तिजोरी की चाबी कमला को इसलिए सौंपी, ताकि कमला अपनी विदा के लिए रुपये निकालकर प्रमोद को दे सके। पर कमला ने रुपये नहीं निकाले, क्योंकि वह जानती थी कि दहेज के रुपये देकर विदा कराना गलत है और इससे उसके भाई का अपमान ही बढ़ेगा। उसका यह व्यवहार उसकी समझदारी और विवेक को दिखाता है।

birlaeducation.org

---

**3. प्रमोद ने सास के प्यार को दिखावा क्यों कह दिया?** अतिरिक्त

उत्तर: प्रमोद जीवनलाल के अपमान से दुखी और क्रोधित था। जब कमला ने अपनी सास की प्रशंसा की, तो प्रमोद को लगा कि सास का स्नेह केवल दिखावा है, क्योंकि उसी घर में उसका अपमान हुआ है। उसके इस कथन से उसका दुख और जीवनलाल के प्रति उसका रोष झलकता है। इस बात को राजेश्वरी सुन लेती हैं और वे बहुत दुखी होती हैं।

---

**4. जीवनलाल ने "झोंपड़ी में रहकर महल से नाता क्यों जोड़ा" क्यों कहा?** अतिरिक्त

उत्तर: जीवनलाल ने यह बात प्रमोद के पिता की गरीबी का मजाक उड़ाने के लिए कही थी। उनका कहना था कि जब तुम्हारे पिता की हैसियत छोटी थी, तो उन्होंने धनी परिवार से विवाह का नाता क्यों जोड़ा। इस कथन से जीवनलाल का अहंकार, धन का अभिमान और गरीबों के प्रति उनकी तुच्छ सोच सामने आती है।

---

**5. एकांकी में एक ही दृश्य और रंग संकेत का क्या महत्त्व है?** अतिरिक्त

उत्तर: एकांकी में एक ही दृश्य होने से पूरी कथा एक ही स्थान और एक ही समय में घटती है, जिससे स्थान, कार्य और काल की एकता बनी रहती है। आरंभ में दिए गए रंग संकेतों से मंच की सजावट और पात्रों की स्थिति स्पष्ट हो जाती है। इससे एकांकी को मंच पर खेलना आसान हो जाता है और दर्शक का ध्यान कथा पर ही टिका रहता है।

---

**6. कमला ने सावन में मायके न जाना ही ठीक क्यों कहा?** अतिरिक्त

उत्तर: कमला ने यह बात अपने भाई की कठिनाई देखकर कही थी। वह जानती थी कि पाँच हजार रुपये का प्रबंध करने के लिए उसके भाई को अपना मकान बेचना पड़ेगा। वह भाई को कष्ट में नहीं डालना चाहती थी, इसलिए उसने कहा कि सावन में घर न आना ही ठीक है। उसके इस कथन में भाई के प्रति स्नेह और त्याग की भावना झलकती है।

---

**7. जीवनलाल बहू की विदा रोकते समय अपनी बेटी गौरी के बारे में क्यों नहीं सोच पाए?** अतिरिक्त

उत्तर: जीवनलाल बहू और बेटी में भेद करते थे। उन्हें अपनी बहू कमला दूसरे की बेटी लगती थी, इसलिए उसके दुख से उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता था। अपनी बेटी गौरी के साथ वही व्यवहार हो सकता है, यह बात उनके मन में आई ही नहीं। धन का लोभ और अहंकार उनकी सोच पर पर्दा डाले हुए थे, इसलिए वे गौरी के बारे में सोच नहीं पाए।

---

**8. राजेश्वरी का यह कथन कि नोट कागज के रंग बिरंगे टुकड़े मात्र हैं, उनके चरित्र के बारे में क्या बताता है?** अतिरिक्त

उत्तर: यह कथन बताता है कि राजेश्वरी निर्लोभ और उदार महिला हैं। उन्हें धन से कोई मोह नहीं है और वे रुपये को कागज के टुकड़ों से अधिक नहीं मानतीं। उनके लिए रिश्ते और मानवता धन से बड़े हैं। यही सोच उन्हें अपनी तिजोरी से पाँच हजार रुपये देने को तैयार करती है और अंत में अपने पति का हृदय बदलने में भी मदद करती है।

---

**9. एकांकी की कथा में पहला सावन क्यों महत्त्वपूर्ण है?** अतिरिक्त

उत्तर: पहला सावन इसलिए महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि हिंदू रीति के अनुसार विवाह के बाद पहला सावन बहू अपने मायके में बिताती है। इसी रीति के कारण प्रमोद अपनी बहन को विदा कराने ससुराल आता है और उसी से पूरी कथा शुरू होती है। पहला सावन ही वह अवसर है, जिस पर जीवनलाल की दहेज की माँग और फिर उनका हृदय परिवर्तन दोनों घटते हैं।

birlaeducation.org

---

**10. प्रमोद और रमेश में क्या समानता है?** अतिरिक्त

उत्तर: प्रमोद और रमेश दोनों ही अपनी बहन की विदा कराने गए थे। प्रमोद अपनी बहन कमला को विदा कराने उसके ससुराल आया था और रमेश अपनी बहन गौरी को विदा कराने उसकी ससुराल गया था। दोनों ही अपनी बहन से स्नेह करते हैं और उसकी विदा चाहते हैं। दोनों को ही दहेज की माँग का सामना करना पड़ा, पर एक की बहन विदा हो गई और दूसरे की नहीं हो पाई।

---

## दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (LAQ) - 8 प्रश्न

उत्तर विस्तार से लिखिए।

**1. एकांकी बहू की विदा में संवादों की भूमिका समझाइए।** अतिरिक्त

उत्तर: इस एकांकी में संवाद ही कथा को आगे बढ़ाते हैं। जीवनलाल के संवादों से उनका लोभ, अहंकार और जिद सामने आती है, जैसे पाँच हजार रुपये की माँग और घाव पर मरहम की बात। प्रमोद और कमला के संवादों से भाई बहन का स्नेह और कमला की समझदारी झलकती है। राजेश्वरी के संवादों से उनकी ममता और तर्कशक्ति दिखती है। संवाद छोटे छोटे, सरल और

पात्रों के स्वभाव के अनुसार हैं, इसलिए एकांकी को पढ़ना और मंच पर खेलना आसान है। संवादों से ही एकांकी का उद्देश्य, दहेज प्रथा का विरोध, दर्शक तक पहुँचता है।

---

**2. एकांकी में दहेज के दो शिकार परिवारों की तुलना कीजिए।** अतिरिक्त

उत्तर: एकांकी में दहेज के दो शिकार परिवार दिखाए गए हैं। पहला परिवार कमला का मायका है, जहाँ कमला के पिता ने अपनी सामर्थ्य के अनुसार दहेज दिया, पर जीवनलाल खुश नहीं हुए और उन्होंने पाँच हजार रुपये और माँगे। प्रमोद को मकान बेचने की नौबत आ गई। दूसरा परिवार जीवनलाल का अपना परिवार है, जहाँ उनकी बेटी गौरी के ससुराल वालों ने और दहेज माँगकर गौरी को विदा नहीं किया। दोनों परिवारों की पीड़ा एक जैसी है। अंतर यह है कि पहले परिवार की पीड़ा जीवनलाल ने खुद पैदा की थी और दूसरे परिवार की पीड़ा से उन्हें अपनी गलती का एहसास हुआ। यही तुलना एकांकी का सबसे बड़ा संदेश देती है कि दहेज की माँग करने वाला भी किसी दिन उसी पीड़ा का शिकार हो सकता है।

---

**3. राजेश्वरी एकांकी की धुरी क्यों है? समझाइए।** अतिरिक्त

उत्तर: राजेश्वरी एकांकी की धुरी इसलिए हैं, क्योंकि कथा के हर मोड़ पर वे ही आगे बढ़कर काम करती हैं। जब जीवनलाल पाँच हजार रुपये माँगते हैं, तो राजेश्वरी अपनी तिजोरी से रुपये देने को तैयार हो जाती हैं। जब भाई बहन की बातचीत सुनकर वे दुखी होती हैं, तो वे कमला को तिजोरी की चाबी सौंप देती हैं। जब रमेश खाली हाथ लौटता है, तो वे ही जीवनलाल को तर्क से समझाती हैं कि जो व्यवहार तुम अपनी बेटी के लिए चाहते हो, वही व्यवहार दूसरे की बेटी के साथ भी करो। उनकी ममता, उदारता और समझदारी के बिना जीवनलाल का हृदय परिवर्तन संभव नहीं था। वे कथा को दुख से सुख की ओर ले जाती हैं, इसलिए वे एकांकी की धुरी हैं।

birlaeducation.org

---

**4. पहला सावन और विदा की परंपरा का सामाजिक महत्त्व समझाइए।** अतिरिक्त

उत्तर: हिंदू समाज में विवाह के बाद पहला सावन बहू के मायके में बिताने की परंपरा है। सावन का महीना वर्षा ऋतु का होता है और इस समय बेटी अपने माता पिता के घर आकर कुछ दिन आराम करती है। विदा की परंपरा में बहू को मायके भेजना परिवारों के बीच स्नेह और संबंध को मजबूत करता है। पर इस एकांकी में दिखाया गया है कि दहेज का लोभ इस सुंदर परंपरा को भी कड़वा बना देता है। जीवनलाल विदा की परंपरा को रोककर रिश्तों में दरार डाल देते हैं। एकांकी सिखाता है कि परंपराओं का पालन स्नेह से होना चाहिए, धन की माँग से नहीं।

---

**5. जीवनलाल के अहंकार के पीछे उनका धन और हैसियत कैसे काम करती है? समझाइए।** अतिरिक्त

उत्तर: जीवनलाल एक धनी व्यापारी हैं और उन्हें अपने धन का बहुत अभिमान है। वे समझते हैं कि धन ही सब कुछ है और धन से हर घाव का मरहम हो सकता है। इसी अभिमान के कारण वे कमला के पिता की सामर्थ्य को छोटा समझते हैं और उनके घर को झोंपड़ी कहते हैं। वे अपने को बड़ा और प्रमोद के परिवार को छोटा मानते हैं। धन के अभिमान ने ही उन्हें बहू और बेटी में भेद करना सिखाया है और प्रमोद का अपमान करने पर मजबूर किया है। पर जब उनकी अपनी बेटी गौरी के साथ वही व्यवहार होता है, तो धन का अभिमान टूट जाता है और वे समझ जाते हैं कि धन से रिश्ते नहीं खरीदे जा सकते।

---

**6. एकांकी में स्त्री पात्रों, कमला और राजेश्वरी, की भूमिका का विवेचन कीजिए।** अतिरिक्त

उत्तर: इस एकांकी में दो स्त्री पात्र हैं: कमला और राजेश्वरी, और दोनों की भूमिका बहुत महत्त्वपूर्ण है। कमला एक सुशील, विनम्र और समझदार बहू है। वह अपने भाई को मकान बेचने से रोकती है, सास की प्रशंसा करती है और ससुर को बुरा भला नहीं कहती। वह अपनी पीड़ा को पी जाती है और तिजोरी की चाबी मिलने पर भी रुपये नहीं निकालती। राजेश्वरी एक

ममतामयी सास हैं। वे बहू को बेटी की तरह मानती हैं, अपनी तिजोरी से रुपये देने को तैयार होती हैं और अपने पति को तर्क से समझाकर उनका हृदय बदल देती हैं। दोनों स्त्री पात्र दिखाते हैं कि स्त्रियाँ ही परिवार में स्नेह, त्याग और समझदारी की नींव होती हैं और उन्हीं के कारण एकांकी का अंत सुखद होता है।

---

**7. एकांकी का सुखद अंत कितना विश्वसनीय लगता है? अपने विचार लिखिए।** अतिरिक्त

उत्तर: एकांकी का सुखद अंत कुछ हद तक विश्वसनीय लगता है और कुछ हद तक आदर्शवादी भी है। यह विश्वसनीय इसलिए लगता है, क्योंकि जीवनलाल का हृदय परिवर्तन अचानक नहीं हुआ है। उन्हें अपनी बेटी गौरी के साथ वही व्यवहार सहना पड़ा, जो उन्होंने अपनी बहू के साथ किया था, और राजेश्वरी ने उन्हें तर्क से समझाया था। यह अनुभव किसी भी पिता का मन बदल सकता है। पर यह अंत आदर्शवादी भी है, क्योंकि असली जीवन में धन का लोभी व्यक्ति इतनी जल्दी नहीं बदलता। लेखक ने सुखद अंत इसलिए रखा है, ताकि दर्शक को यह संदेश मिले कि सही तर्क और ममता से जिद्दी व्यक्ति का हृदय भी बदला जा सकता है।

---

**8. दहेज प्रथा को खत्म करने में परिवार के बड़ों की क्या भूमिका हो सकती है? एकांकी के आधार पर लिखिए।**

अतिरिक्त

उत्तर: दहेज प्रथा को खत्म करने में परिवार के बड़ों की भूमिका सबसे बड़ी हो सकती है, क्योंकि घर के फैसले उन्हीं के हाथ में होते हैं। एकांकी में जीवनलाल जैसे बड़े ही दहेज की माँग करते हैं और राजेश्वरी जैसी बड़ी ही उसका विरोध करती हैं। यदि बड़े लोग दहेज माँगना बंद कर दें, तो यह प्रथा अपने आप खत्म हो जाएगी। बड़े लोगों को बहू और बेटी में भेद नहीं करना चाहिए और जो व्यवहार वे अपनी बेटी के लिए चाहते हैं, वही व्यवहार दूसरे की बेटी के साथ भी करना चाहिए। बड़ों को बच्चों को यह सिखाना चाहिए कि धन से बड़े रिश्ते और मानवता हैं। यदि हर परिवार का बड़ा ऐसा सोचने लगे, तो दहेज प्रथा समाज से हमेशा के लिए खत्म हो सकती है।

bihareducation.org

---